जयपुर मेट्रो रेल कॉरपोरेशन लिमिटेड

JAIPUR METRO

खनिज भवन, तिलक मार्ग, सी–स्कीम, जयपुर – 302005

E-mail: pro@jaipurmetrorail.in **Phone No.** 0141-2822265

2018/07/178–प्रेस विज्ञप्ति **दिनांकः 13.07.2018**

जयपुर मेट्रो द्वारा मेट्रो फेज–2 हेतु

जयपुर शहर के काम्प्रेहैन्सिव मोबिलिटी प्लान पर सभी स्टेक होल्डर्स के साथ बैठक आयोजित।

जयपुर 13 जुलाई। जयपुर मेट्रो के अध्यक्ष एवं प्रबन्ध निदेशक श्री पवन कुमार गोयल की अध्यक्षता में आज खनिज भवन स्थित सभागार में सभी स्टेक होल्डर्स के साथ बैठक आयोजित की गई। बैठक के दौरान जयपुर मेट्रो के चारों पूर्णकालिक निदेशकों के साथ सभी राज्य सरकार के स्टेक होल्डर्स, औद्योगिक संस्थानो एवं गैर सरकारी संस्थान के प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया। बैठक की शुरूआत में निदेशक परियोजना श्री अश्विनी सक्सेना ने उपस्थित सभी अधिकारियों एवं प्रतिनिधियों के समक्ष जयपुर मेट्रो के फेज–2 की डीपीआर रिव्यू हेतु फ्रांसीसी कम्पनी EGIS Rail द्वारा बनाये मोबिलिटी प्लान के पूर्ण बिन्दुओं की रूपरेखा रखी। तत्पश्चात् इस बैठक में अर्न्तराष्ट्रीय कंसलटेंट द्वारा जयपुर शहर के काम्प्रेहैन्सिव मोबिलिटी प्लान रिपोर्ट एवं प्रजेंटेंशन प्रस्तुत की गयी।

श्री सक्सेना ने पूर्व में दिल्ली मेट्रो रेल कॉरपोरेशन लि. (डीएमआरसी) द्वारा जयपुर मेट्रो के द्वितीय चरण की संशोधित विस्तृत परियोजना रिपोर्ट जुलाई, 2014 में प्रस्तुत की गई थी। इस रिपोर्ट में सीतापुरा से अम्बाबाड़ी रूट पर एयरपोर्ट तथा कलेक्ट्रेट सर्किल को भी जोड़ दिया गया था। डीएमआरसी द्वारा तैयार की गई विस्तृत परियोजना रिपोर्ट जुलाई, 2014 के अनुसार जयपुर मेट्रो का द्वितीय चरण (सीतापुरा से अम्बाबाड़ी) की कुल लम्बाई 23.8 किमी है। जिसकी कुल अनुमानित लागत 10,394 करोड रूपये है।

इस विस्तृत परियोजना रिपोर्ट की समीक्षा एशियन विकास बैंक द्वारा फेज–1बी के लिये दिये गये ऋण में प्रस्तावित है। अतंराष्ट्रीय कंसलटेन्सी फर्म मैसर्स ऐजीस रेल फ्रांस, ऐजीस रेल इण्डिया तथा मैसर्स फीड बैक इन्फ्रा द्वारा संयुक्त रूप से प्लानिंग एवं समीक्षा की जा रही है। कंसलटेंसी फर्म अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रचलित मेट्रो रेल की नई तकनीकों एवं डिजाईन से परियेाजना की लागत एवं अलाइन्मेंट को ऑप्टीमाईज (optimize) करने का कार्य कर रही है।

कंसलटेंट द्वारा यातायात सर्वे का कार्य पूर्ण करने के पश्चात् जयपुर शहर का कम्प्रेहैन्सिव मोबिलिटी प्लान तैयार कर रिपोर्ट प्रस्तुत की है। इस रिपोर्ट में जयपुर शहर का वर्तमान यातायात परिदृष्य प्रस्तुत करते हुये आगामी समय मे यातायात भार को शहर के विकास के साथ किस प्रकार सुचारू रूप से संचालित करना है, कि रुपरेखा भी सम्मिलित है।

कंसलटेंट द्वारा इस रिपोर्ट के अन्तर्गत शहर की मुख्य सड़को पर वर्तमान में यातायात भार की गणना तथा भविष्य को ध्यान में रखते हुये किस प्रकार का Mass Public Transport Systems अपनाया जावे, तथा शहर के प्रतिदिन आवागमन में Mass Public Transport Systems का हिस्सा 50 प्रतिशत सुनिश्चित करने के सम्बन्ध में ही सुझाव दिये हैं।

कंसलटेंट द्वारा व्यस्ततम् मार्ग के रूप में टोंक रोड़ एवं जे.एल.एन. रोड़ बताई गई हैं तथा टोंक रोड़ पर वर्तमान एवं भविष्य के यातायात के मध्यनजर मेट्रो रेल को Mass Public Transport Systems के रूप में प्रस्तावित किया है। इसका मार्ग सीतापुरा इण्डस्ट्रीयल एरिया (टोक रोड़) से अम्बाबाड़ी होते हुये विश्वकर्मा औधोगिक क्षेत्र रोड़ न. 12 तक प्रस्तावित किया गया है। जिसकी लम्बाई लगभग 29.5 कि.मी. है। साथ ही वर्ष 2031 में इसका विस्तार सीतापुरा इण्डस्ट्रीयल एरिया (टोंक रोड़) से आउटर रिंग रोड़ तक प्रस्तावित किया है। जिसकी लम्बाई लगभग 8 कि.मी. है।

विस्तृत चर्चा एवं सुझावो को शामिल करने के उपरान्त सभी प्रतिनिधियों ने सीतापुरा औधोगिक क्षेत्र (टोक रोड़) से अम्बाबाड़ी होते हुये विश्वकर्मा औधोगिक क्षेत्र रोड़ न. 12 पर प्रस्तावित मेट्रो के प्रस्ताव पर सहमति व्यक्त की। साथ ही इस बात पर भी पूरजोर सहमति व्यक्त की, कि जयपुर शहर की विकास की दर, हरित विकास एवं मेट्रो के प्रथम फेज को स्वपोषित बनाने के लिये सीतापुरा औधोगिक क्षेत्र (टोक रोड़) से अम्बाबाड़ी होते हुये विश्वकर्मा औधोगिक क्षेत्र रोड़ न. 12 पर मेट्रो का विकास अत्यावश्यक है।

श्री गोयल ने बैठक के अन्त में सभी स्टेक होल्डर्स का आभार व्यक्त करते हुये जयपुर मेट्रो के विकास के लिये सहयोग की अपेक्षा करते हुये सभी स्टेक होल्डर्स को एक सप्ताह के भीतर और भी अन्य कोई सुझाव यदि हो तो देने का अनुरोध किया है।

जनसंपर्क अधिकारी